केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, ५ जुलाई, २००९ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए ।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।) (कुल गुण : ६)

१. श्रीजीमहाराज सर्वकर्ता-हर्ता हैं ।
२. भगवान को निराकार समझने से हानि ।
३. 'भगवान सर्वोपरि हैं' यह निष्ठा आवश्यक है ।
४. 'गुणातीतानन्द स्वामी मूल अक्षर' शास्त्रीय प्रमाण ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१		प्र-२	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ३	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

१. 'मूर्तं तत्रास्ति कृष्णस्य सेवायां दिव्यविग्रहम् ।' (गुण : १ [ ])

....

२. 'ब्रह्मरुप तो इस प्रकार से हो सकते हैं, जो ऐसे सन्त को ब्रह्मरुप मानकर मन, वचन और कर्म द्वारा उनका संग करें वह ब्रह्मरुप होता है ।' (गुण : १ [ ])

....

३. 'जेवा ए संत कहीए शिरोमणि, एवा हरि सौ शिरमोड,
निष्कुलानंद निहालतां न जडे ए बेनी जोड ।' (गुण : १ [ ])

....

४. 'नारी नयन सर जाहि न लागा, घोर क्रोध तम निशि जो जागा ।
लोभ पास जेहि गर न बंधाया, सो नर तुम्ह समान रघुराया ॥' (गुण : १ [ ])

....

५. 'प्रत्यक्ष भगवान के कल्याणकारी गुणों को परखना और परमेश्वर का दृढ़ आश्रय ग्रहण करना, इसे ही भक्ति कहते हैं ।' (गुण : १ [ ])

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता । (गुण : २ [ ])

(१) [ ] भगवान जो मनुष्य चरित्र दिखाते हैं, इसमें भक्त और अभक्त दोनों को दिव्यभाव प्रतीत होते है ।

(२) [ ] भगवान चाहे जैसे भी प्राकृत चरित्र प्रकट करते हैं तब भी उनमें दिव्यता दिखाई दे वहीं परमेश्वर की भक्ति कहते है ।

(३) [ ] ऐसी भक्ति ही परमपद है ।

(४) [ ] सन्त की समस्त लीलाओं को तो कल्याणकारी ही समझना चाहिए ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. अक्षररुप होकर पुरुषोत्तम की स्वामी-सेवक भाव से उपासना करने की बात किन किन ग्रंथों में हैं ? | गुण : २ |

(१) ☐ शिक्षापत्री (२) ☐ सत्संगिजीवन

(३) ☐ हरिचरित्र चिंतामणी (४) ☐ वेदरस

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. पार्षद चारा काटने गए । २. यज्ञपुरुषदास ने चारपाई के नीचे छूपकर बात सूनी ।

३. स्वामी ! गाँवों में विचरण कर आओ, तुम्हें शांन्ति मिल जाएगी ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. परब्रह्म पुरुषोत्तमनारायण एक एवं अद्वितीय ।

२. श्रीजीमहाराज अक्षरधाम में सिधारने के बाद किस रुप में प्रकट हैं ?

३. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि – गुणातीतानन्द स्वामी के अनुसार ।

४. ब्रह्मरुप होने की आवश्यकता ।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

( ) ....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. श्रीजीमहाराज ने रावण आदि असुरों का संहार नहीं किया फिर भी परमहंस उन्हें भगवान मानते हैं ।

२. शास्त्रीजी महाराज कहा करते थे, 'हम तो अक्षर पुरुषोत्तम के बैल हैं ।'

३. भक्त को रावण या शूर्पणखा जैसा भक्त नहीं बनना चाहिए, किन्तु विभीषण जैसा भक्त बनना चाहिए ।

४. भगवान को सर्वकर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता ।

( ) .....

.....

.....

.....

गुण : ४

(   )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. श्रीजीमहाराज सदा ही .....

.....

.....

.....

..... निर्गुण कर देते हैं । | गुण : १ | |
|---|---|

२. पुरुषोत्तम की प्रेरणा .....

.....

.....

.....

.....

..... भेद है । | गुण : १ | |
|---|---|

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

३. अक्षरब्रह्म एक ही .....

.....

.....

.....

.....

..... रहता है । गुण : १

४. श्रीजीमहाराज पूर्ण .....

.....

.....

.....

.....

..... दिव्य हैं । गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. श्रीजीमहाराज के जूते .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

६. जीवात्मा .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

७. प्रकट ब्रह्मस्वरुप संत .....

.....

..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टिप्पणी लिखिए । - श्रीजीमहाराज के मुख से गुणातीतानन्द स्वामी की अपूर्व महिमा । **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''मंदिर मेरा हैं, चाहे सो करुँ, आपको क्या लेना देना ?'' **अथवा**

२. ''तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है ।''

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	

३. ''आप यहाँ निरंतर रहें, बड़े बड़े यज्ञ कीजिए ।'' **अथवा**

४. ''मैं तेरी आत्मा की कसूर मिटा दूँगा ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

५. ''स्वयं मेहनत करो... ईश्वर ने हाथ-पैर दिए हैं ।'' **अथवा**

६. ''एक से भले दो ।''

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. काठी हरिभक्त बोल उठे : 'वाह ! पर्वतभाई वाह !' **अथवा**

२. गोपालानंद स्वामी ने कहा कि, 'अब मुझसे त्याग-वैराग्य की बातें नहीं होगी ।'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. पादरी ने फ्रेंक को चर्च की सभा में प्रमुखस्वामी की बात बताने को कहा । **अथवा**

४. दारेसलाम हवाईअड्डे के अधिकारी आश्चर्य चकित हो गये ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. लालजी सुथार में से निष्कुलानन्द तक की यात्रा । **अथवा**

२. रघुवीरजी महाराज और गुणातीतानन्द स्वामी के बीच स्नेह सम्बंध ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. बालकों और किशोरों के स्नेही प्रमुखस्वामी महाराज । **अथवा** ४. हरिजनों का उद्धार ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११		प्र-१२	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

गुण : ४ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. श्रीजीमहाराज ने मुक्तानन्द स्वामी के किस अंग की प्रशंसा की है ? गुण : १ [ ]

....

....

२. कुशलकुंवरबा ने पूर्व जन्म में कौन सी बावड़ी निर्माण करवाई थी ? गुण : १ [ ]

....

....

३. व्यर्थ समय गँवाना न पड़े इसलिए शिवलाल सेठ दुकान में कौन सी तीन चिजें रखते थे ? गुण : १ [ ]

....

....

४. प्रमुखस्वामी महाराज की सुवर्णतुला लंदन में कब हुई गई ? गुण : १ [ ]

....

....

५. शांति भक्त को भागवती दीक्षा कहाँ और कब दी ? गुण : १ [ ]

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१३	

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अनाज की गाड़ियाँ लेकर आए हुए पर्वतभाई को महाराज ने पूछा : | गुण : २ |

(१) ☐ कुनबी का बच्चा तथा मुर्गा कभी भी भूखा नहीं मरता ।

(२) ☐ जब गढड़ा जाएँगे तब जरूर अगत्राई जाएँगे ।

(३) ☐ घर पर बच्चों के लिए कुछ रखा है कि नहीं ?

(४) ☐ संतों आवे फिर मेरे को क्या चिंता ।

२. रघुवीरजी महाराज किस किस की राय लेते थे ? | गुण : २ |

(१) ☐ गोपालानन्द स्वामी (२) ☐ शुक स्वामी

(३) ☐ गुणातीतानन्द स्वामी (४) ☐ नित्यानन्द स्वामी

३. प्रमुखस्वामीजी की आत्मानिवेदी भक्ति । | गुण : २ |

(१) ☐ इष्टदेव के साथ में देखना, यह देवों के लिए भी दुर्लभ है ।

(२) ☐ इष्टदेव को अग्रस्थान पर रखते हैं ।

(३) ☐ ठाकुरजी को जल अर्पण किया था ?

(४) ☐ अक्षरधाम के रचयिता के रुप में अहंशून्यता ।

४. प्रमुखस्वामी के लिए संतों के उद्‌गार । | गुण : २ |

(१) ☐ प्रमुखस्वामीजी विराट अनन्तता के महान अंश हैं ।

(२) ☐ साधु समाज का मुकुट और आदर्श आध्यात्मिक पुरुष ।

(३) ☐ आध्यात्मिक शिल्पी ।

(४) ☐ शान्त और विनम्र रहकर भी अपने सम्पर्क में आनेवाले हजारों लोगों को चेतनामय बनाकर कार्यान्वित कर देते हैं ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. सत्संग में बल देनेवाला टोनिक 'प्रसन्नता का विचार ।'

२. आध्यात्मिक साधना के पथदर्शक - प्रमुखस्वामी महाराज ।

३. आदर्श बालक के निर्माता - जाग्रत अभिभावक ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें